ताड़ गुड़

*३१३. श्री डामर : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में द्वितीय पंच-वर्षीय योजना के अन्तर्गत ताड गुड के उत्पादन के लिये अब तक कितनी राशि मंजूर की गई है ; और

(ख) मध्य प्रदेश में झाबुआ जिले के लिये जो योजना बनाई गई है उसका व्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) द्वितीय पंचवर्षीय योजना के आरम्भ होने से ले कर १५ जनवरी, १९५८ तक निम्न राशि मंजूर की गयी है —

	रु०		
अनुदान	२,४१,९८६	७	०
ऋण	९३,९००	०	०
योग	३,३५,८८६	७	०

(ख) झाबुआ जिले में अधिकतर आदिवासी रहते हैं । मध्य भारत खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड ने एक याजना चालू की है, जिसका उद्देश्य नशाबंदी लागू किये जाने से प्रभावित हुए आदिवासी ताडी उत्पादकों का पुनर्वास करना और उन्हे ताड का रस निकालने तथा ताड गुड बनाने के सुधरे हुए तरीकों की ट्रेनिंग देना है । इस काम पर खर्च करने के लिये १९५६–५७ से प्रति वर्ष ३५,००० रुपये निश्चित किया गया है । प्रति वर्ष ३० आदिवासियों को ट्रेनिंग दी जा रही है और उनको सुधरे हुए औजार मुफ्त दिये जाते है । आदिवासियों द्वारा बनाये गये ताड़ गुड़ पर ५ रुपये प्रति मन आर्थिक सहायता भी मिलती है ।

Some Hon. Members: In English.

Shri Kanungo: (a) From the commencement of the Second Five Year Plan upto the 15th January, 1958 as follows:—

Grants.	..	Rs.	2,41,986/7/-
Loans.		Rs.	39,900/-
Total	..	Rs.	3,35,886/7/-

(b) Jhabua district is largely populated by Adiwasis. The Madhya Bharat Khadi and Village Industries Board has introduced a scheme for the rehabilitation of Adiwasi 'tadi' tappers affected by the introduction of prohibition by training them in improved methods of tapping palm juice and making gur A sum of Rs. 35,000 since 1956-57 has been ear-marked every year for the purpose. 30 Adiwasis are being trained every year and improved implements are supplied to them free of cost. Subsidy is also admissible at Rs. 5 per maund of gur produced by Adiwasis.

ताड़ गुड़

*३१४. श्री डामर : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जब से ताड गुड बनाने की योजना देश में क्रियान्वित की जा रही है तब से इस के उत्पादन में कौन सा राज्य सब से आगे है ; और

(ख) क्या उस राज्य को, जो ताड़ गुड के उत्पादन में सब से आगे है, कोई विशेष सुविधायें दी गई हैं ?

वाणिज्य मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) मद्रास ।

(ख) जी, नहीं ।

श्री अमर सिंह डामर : क्या मैं जान सकता हूं कि झाबुआ तहसील के किन किन जिलों में योजना लागू है ?

श्री कानूनगो : मेरे पास तहसील की फ़ेहरिस्त नहीं है ।

श्री राधे लाल व्यास : क्या मै यह जान सकता हूं कि अभी तक जिस समय के लिये यह रकम मंजूर की गई थी उस समय में हमारे मध्यप्रदेश में कितना गुड़ तैयार किया गया और इस गुड़ के तैयार करने में अब तक कितना रुपया कुल खर्च हुआ ?

श्री कानूनगो : उत्तर में खर्च का हिसाब दिया हुआ है ।

श्री राधे लाल व्यास : मैं एक्चुएल एक्सपेंसेज़ जानना चाहता था ।

श्री कानूनगो : ऐक्चुएल एक्सपेंसेज़ का हिसाब मेरे पास नही है । और कितना गुड़ साल ब साल हुआ है उस का भी हिसाब नहीं है ।

Shri Supakar: How does the cost of production of palm gur compares with that of gur produced from sugarcane?

Shri Kanungo: The cost of production varies from place to place. In Madras it is very much cheaper and in other places it is a little costlier.

Shri Tangamani: The hon. Minister in reply to Question No. 314 stated that Madras State is leading in the production of palm gur. May I know what special help is given to those co-operatives that are producing this palm gur?

Shri Kanungo: Whatever requirements of societies are there are being met almost in full. The question was whether any special privileges are being given. There are none.

श्री भा० ला० वर्मा : क्या मैं जान सकता हूं कि जिन से गुड़ निकाला जाता है उन दरख्तों में से कितने जिन्दा रहते हैं और कितने सूख जाते हैं ?

श्री कानूनगो : दो क़िस्म के पेड़ों से खजूर और ताड़ दोनों से रस निकाला जाता है । पेड़ों को कोई खतरा नहीं होता ।

श्री भा० ला० वर्मा : मैं मिनिस्टर साहब से जानना चाहता हूं कि क्या आप ने इस की जांच कराई है कि सूखते नहीं हैं ? क्या आप यह बिलकुल विश्वासपूर्वक कह सकते हैं ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : मुझे मालूम है कि नहीं सूखते हैं ।

श्री भा० ला० वर्मा : मैं मिनिस्टर साहब से यह निवेदन करना चाहता हूं कि वे इस सम्बन्ध मे जांच करायें क्योंकि मैं बखूबी जानता हू कि वे सूख जाते हैं ?

श्री मोरारजी देसाई : रस निकालने से तो नही सूखते हैं और किसी वजह से सूख जाते हों तो सूख जाते हों ।

Radio Station in Koraput

***299. Shri Sanganna:** Will the Minister of Information and Broadcasting be pleased to state:

(a) whether it is a fact that 1 Kw Broadcasting Station will be opened in the Koraput District (Orissa) to supplement the A.I.R., Cuttack; and

(b) if so, when?

The Minister of Information and Broadcasting (Dr. Keskar): (a) and (b). There is no such proposal under consideration.

Shri Sanganna: May I know whether the status of the Cuttack Station has since been raised?

Dr. Keskar: I have already informed in reply to another question that Cuttack Station is being made more powerful and a 20 kwt. transmitter is being at present erected at Cuttack.

Shri Sanganna: May I know if there is no possibility of opening a radio